४० / १००

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था
सत्संग शिक्षण परीक्षा

सत्संग प्रवेश : प्रश्नपत्र - १

प्रातः ९:०० से ११:१५] (रविवार, ९ जुलाई, २०००) **कुल अंक : ७५**

सूचना : प्रश्न की दाहिनी तरफ उसके अंक दर्शाए गए हैं ।

(विभाग - १ नीलकंठ चरित्र)

प्र. १. निम्नांकित में से कोई भी दो अवतरण कौन, किससे और कब कहता है, यह लिखिए। ६

१. *''अगर तुम्हारा सच्चा भाव होगा तो तुम्हें प्रगट (साक्षात्) प्रभु यहाँ ही मिलेंगे।''*
२. *''हमें वैराग्य एवं तप के गुण दें।''*
३. *''जब भी साधु होने की इच्छा हो, तब मुझे ढूँढते हुए काठियावाड में आ जाना।''*
४. *''हमारा नाम सहजानंद।''*

प्र. २. निम्नांकित में से किन्हीं दो के १० - १२ पंक्तियों में कारण बताइए । ८

१. *भय के मारे सभी भूत भाग गये।*
२. *शिवजी ने नीलकंठ को सत्तू और नमक दिया।*
३. *जीअर स्वामी नीलकंठ पर क्रोधित हो गये।*
४. *सहजानंद स्वामी को धर्मधूरा सौंपने के बाद सब हरिभक्तों की आँखों में आँसू आ गए।*

प्र. ३. निम्नांकित में से किसी एक का विवरण कीजिए। ४

१. *दो स्वरूप में दो दर्शन।*
२. *कृतघ्नी सेवकराम।*
३. *तैलगी ब्राह्मणों का उद्धार।*

प्र. ४. निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए । ६

१. *कृष्ण तंबोली नीलकंठ को क्या खिलाता था ?*

२. *नीलंकठ वर्णी ने कितने समय तक वनविचरण किया ?*
३. *काले पहाड पर किसने नीलकंठ वर्णी को जिमाया ?*
४. *नीलकंठ ने लक्ष्मणजी को श्री रामचंद्रजी के रूप में कहाँ दर्शन दिये।*
५. *रामानंद स्वामी को स्वप्न में किसने और कहाँ पर दीक्षा दी ?*
६. *नीलकंठ के बाँये पैर में कौन कौनसे चिह्न थे ?*

प्र. ५. निम्नांकित में से किसी एक पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखकर उसका भावार्थ लिखिए । (करीब १२ पंक्तियों में) ४

१. *नीलकंठ ने ककडी का बोझ उठाया।*
२. *जमादार को समाधि।*
३. *गोपाल योगी का मिलन।*

प्र. ६. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। ४

१. *नीलकंठ ने जनकपुर में ..... सरोवर के तट पर निवास किया।*
२. *.....राक्षस ने नीलकंठ को सरयू नदी में धकेल दिया।*
३. *नीलकंठ वर्णी ने हिमालय को..... का रास्ता पूछा।*
४. *लोज की वाव पर नीलकंठ वर्णी को ..... स्वामी मिले।*

(विभाग - २ सत्संग वाचनमाला भाग - १)

प्र. ७. निम्नलिखित में से कोई भी दो अवतरण कौन, किससे और कब कहते हैं, यह लिखिए । ६

१. *''मुजे तो ब्रह्मचर्य का पालन करके भगवान की भक्ति करनी है।''*
२. *''आज तो तुमको स्वस्थ कर दें, चलो मिल लें।''*
३. *''सोरठ देश के सत्संगियों के लिये यहाँ मंदिर बनाओ।''*
४. *''उसे मुक्तानंद स्वामी के पास ले जाइए, वे उसे साधु बनाएँगे।''*

प्र. ८. किन्हीं दो के कारण दीजिए । (१० - १२ पंक्तियों में) ८

१. *जोबनपगी के प्राण हंमेशा के लिये शान्त हो गये।*
२. *मुनिबावा श्रीजीमहाराज के आश्रित हुए।*
३. *शास्त्रीजी महाराज ने आशाभाई को गले लगाया।*
४. *निर्गुण स्वामी ने हरिभक्त को मीठा उलाहना देते हुए पत्र लिखा।*

प्र. ९. निम्नांकित प्रसंगों में से किसी एक पर १० - १२ पंक्तियों में टिप्पणी लिखिए । ४

१. *शुकमुनि को गुणातीतानंद स्वामी द्वारा की गई महाराज की सर्वोपरीता के बारे में निष्ठा।*
२. *कशियाभाई के द्वारा समझाई हुई महाराज की महिमा।*
३. *झीणाभाई की भक्तों के प्रति आत्मबुद्धि।*

प्र. १०. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए । ६

१. *किन दो भाइयों के संकल्प से शास्त्रीजी महाराज ने संगमरमर का मंदिर बनाने का संकल्प किया ?*
२. *ब्रह्मानंद स्वामी द्वारा बनाये हुए दो मंदिरों के नाम लिखो।*
३. *ये तो मुक्तानंद स्वामी जैसे है, ऐसा महाराज किसके लिए कहते थे ?*
४. *देवानंद स्वामी की गानविद्या के गुरु कौन थे ?*
५. *रे शिर साटे नटवरने वरिए यह पद बारबार कौन बोला ता था ?*
६. *जीणाभाई ने कमलशी वाजां की खटिया खंधे पर ली अत: महाराज उन्हे कितनी बार मिले ?*

प्र. ११. निम्नांकित विषयों में से किसी एक पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखकर उसका भावार्थ लिखिए । (करीब १२ पंक्तियों में) ४

१. *ब्रह्मानंद स्वामी को टांट नहीं दिया।*
२. *महाराज की मौजूदी में झीणाभाई का देहत्याग।*
३. *जीवुबा रथ से उतर पडीं।*

(विभाग - 3 निबंध)

प्र. १२. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग ४५ पंक्तियों में निबंध लिखे । १५

१. *नीलकंठ की कल्याणयात्रा।*
२. *चारित्र्य - सत्संग की नींव।*
३. *हमारे हृदय-प्रमुखस्वामी महाराज की दरकार।*